॥ जय अम्बे ॥

संगठन! 卐 शक्ति!! 卐 विकास!!!

श्री पाटीदार समाज संगठन समिति, धार

(धार-झाबुआ क्षेत्र) द्वारा आयोजित

❀ नवम् सामूहिक विवाह समारोह ❀

उमाम्बा शरणमस्तु जन्मांतरेष्वपि

वैशाख सुदी ३ (अक्षय तृतीया) संवत् २०५० ई.

दिनांक २५ अप्रेल १९९३ रविवार

— आमंत्रण —

विवाह स्थल- **श्री अम्बिका धाम, धर्म क्षेत्र** ✆: 32216

कालिका मंदिर के पीछे, धार (म. प्र.)

मुद्रक:- नाहर प्रिन्टर्स, धार ✆: 22745

● श्री गणेशाय नमः ●

वक्र तुण्ड महाकाय सूर्य कोटी सम प्रभः ।
निर्विघ्नं कुरुमे देवः सर्व कार्येषु सर्वदा ॥

❋ वैवाहिक कार्यक्रम ❋

वैशाख सुदी ३ (अक्षय तृतीया) संवत २०५०

दिनांक २५ अप्रेल १९९३ रविवार

❋ वर-वधू को विवाह स्थल पर उपस्थिति	प्रातः ८ बजे
❋ श्री गणेश पूजन	प्रातः ८ से ९ बजे
❋ गृह शांति	प्रातः ९ से १०.०० बजे
❋ शुभ-लग्न एवम् पाणिग्रहण	प्रातः १० से १२.३० बजे
❋ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा समाज को सम्बोधन	दोप. १२ ३० से २.०० बजे
❋ फेरे [भाँवर]	दोप. २.०० से ३.०० बजे
❋ बिदाई व समापन समारोह	अपरान्ह ३.०० से ४.०० बजे

प्रीतिभोज प्रातः ८.०० से दोप. १.०० बजे तक

○ सुख, सुविधा एवं समृद्धि का प्रतीक सामूहिक विवाह ○

卐 श्री गणेशाय नमः 卐

मंगलम् भगवान विष्णुः, मंगलम् गरुड़ ध्वजः।
मंगलम् पुण्डरीकाक्षोः, मंगलाय स्तनों हरिः॥

आ मं त्र ण

मान्यवर, श्री .....

श्री पाटीदार समाज संगठन समिति [धार - झाबुआ क्षेत्र] धार के तत्वावधान में नवम् सामूहिक विवाह का आयोजन श्री अम्बिका धाम, धार पर

दिनांक — २५ अप्रेल १९९३ रविवार

वैशाख सुदी ३ [अक्षय तृतिया] संवत २०५० को रखा गया है। इस महायज्ञ में पाणिग्रहण करने वाले युवक - युवतियों की सूची संलग्न है। आपसे विनम्र निवेदन है कि मंगल परिणय की इस मधुर बेला पर आयोजित आशीर्वाद समारोह एवं प्रीतिभोज में सम्मिलित होकर गृहस्थाश्रम की ओर अग्रसर होने वाले नव दम्पतियों को स्नेहाशिष से अभिसिंचित कर उनके भावी जीवन की मंगल - कामना कर अनुग्रहित करें।

—विनीत—

मांगीलाल पाटीदार	कालूराम पटेल	रामेश्वर मुकाती	भागीरथ बोरदिया
सचिव	कोषाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	अध्यक्ष

○ नवम सामूहिक विवाह समारोह के अवसर पर ○

-: आयोजित प्रीतिभोज के लिये सामग्री दाता :-

क्रमांक	दान - दाता	गांव का नाम	सामग्री	मात्रा
१	श्री सत्यनारायण एवं श्री विजयकुमार श्री धुलजी पाटीदार	एकलदुना (डिग्ठान)	शक्कर	८ बोरी
२	श्री कालूराम नरसिंगजी पाटीदार [पाटीदार ट्रेक्टर्स धार]	लबरावदा	शुद्ध घी	८ डिब्बा
३	अ] श्री रामचन्द्रजी नारायणजी	बडवेली		
	ब] श्री चन्द्रशेखर शंकरजी	बडवेली		
	स] श्री दुर्गालाल सीतारामजी	बडवेली	मीठा तेल	२ बैरल
	द] श्री प्रेमचन्द माधवजी	बडवेली		
	ई] श्री बद्धाजी देवाजी	बडवेली		
४	अ] श्री देवीलाल अम्बाराम पटेल	एमद	मावा	१ क्वि.
	ब] श्री शांतीलाल हरचन्दजी पाटीदार	एमद	गुलाब जामुन का	५० कि.
	स] श्री कालूराम लुणाजी पाटीदार	एमद		
५	अ] श्री भेरुलाल रामाजी पटेल	बडवेली		
	ब] श्री रामचन्द्र नाथुजी पाटीदार	बडवेली	श्रीखण्ड	
	स] श्रीठाकुरलाल अम्बारामजी पटेल	एमद	के लिए	३ क्वि.
	द] श्री रामेश्वर नरसिंग मुकाती	एमद	चक्का	
६	श्री मनीराम रामाजी पटेल	बडवेली	सेव व लड्डु का बेसन	२६० किलो
	श्री रणछोड़जी लुणाजी पाटीदार	बडवेली		
७	श्री बोंदर अम्बारामजी बोरदिया	तोरनोद	आटा	८ क्वि.
८	श्री सुन्दरलाल लुणाजी पाटीदार	बडवेली	सेव व सब्जी का मसाला	
	श्री नरसिंग बद्धाजी कामदार	बडवेली		

पाटीदार विद्यालय अंबिकाधाम, धार

प्रथम सत्र १९९२-९३ का विहंगावलोकन

"जंजीर की मजबूती उसकी सबसे कमजोर कड़ी द्वारा ही आंकी जाती है"

गांव-गाव में फैला हुआ पाटीदार समाज यो तो खूब फल-फूल रहा है,- सभी प्रकार की भौतिक सुख-सुविधाएं छोटे-छोटे गांव तक भी पहुंच रही हैं—किन्तु हमारी सबसे बड़ी हार है— अपने बच्चों के लिए समुचित शिक्षा की व्यवस्था न कर पाना।

कहने के लिए तो लगभग सभी जगह विद्यालय हैं किन्तु अच्छे विद्यालय की कमी गांवों में ही नहीं शहरों में भी है-- विशेषतः ऐसे विद्यालय की जो विद्यार्थियों को मात्र 'साक्षर' न बनाकर - उन्हें अच्छा इन्सान भी बना सके।

चूंकि यह किसी एक व्यक्ति के बस की बात नही है- इसीलिए पाटीदार समाज संगठन समिति धार ने , श्री अंबिका धाम के अति पावन पुनित स्थल पर- पाटीदार विद्यालय की स्थापना की है।

इस विद्यालय की स्थिति ऐसी हैं कि इसके आस-पास के क्षेत्र को धर्म क्षेत्र के रुप में जाना जाता है— एक ओर नित्यानंद आश्रम हैं, कालिका माता का महिमा-मय मंदिर है— तो दूसरी ओर शिव मंदिर है— परिसर में ही अंबे मैया का धाम है।

इस प्रकार इस धर्म क्षेत्र में स्थित यह विद्यालय स्वतः अच्छी प्रवृत्तियों को जगाने में सहायक है शिक्षा शास्त्रियों ने बाल-विकास में वातावरण के प्रभाव को व्यक्त करने के लिए-अकाट्य प्रमाण उपस्थित किए हैं।

यह पाटीदार विद्यालय का प्रथम सत्र है— अतः इस सत्र में कक्षा १ से ४ तक की ही पढ़ाई की व्यवस्था प्रारम्भ की गई थी— अब चूंकि संस्था को शासन से मान्यता प्राप्त हो चुकी है अतः प्रतिवर्ष एक-एक कक्षा क्रम-क्रम से बढ़ती रहेगी- अगले सत्र में इस विद्यालय में ५ वी कक्षा की भी अध्यापन व्वस्था रहेगी।

यो तो कक्षा १ से ४ तक के लिए, अन्य प्रायवेट स्कूलों की भांति कम योग्यता वाले शिक्षक भी पढ़ा सकते थे किन्तु जैसे अच्छे अस्पताल का अर्थ होता है

अच्छा डाक्टर, उसी प्रकार अच्छे विद्यालय के लिए अच्छे शिक्षक जुटाना आवश्यक होता है।

पाटीदार समाज संगठन समिति ने अपनी इस अत्यंत महात्वाकांक्षी योजना को मूर्त देने के लिए– इसके संचालन का भार संभालने के लिए शिक्षा क्षेत्र के अत्यंत अनुभवी व्यक्ति श्री जिनेश्वरदासजी जैन एम. ए. एम. एड., ए जे. पी एच. शास्त्री, साहित्यरत्न से अनुरोध किया और यह सुयोग ही है कि पाटीदार समाज के कई परिवारों से निकटता से जुड़े हुए होने के कारण इस संस्था के प्रधानाचार्य का पद श्री जैन सा. ने स्वीकार कर लिया— १६ वर्ष तक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के सफल प्राचार्य रह चुकने का सुयश तो श्री जैन के साथ है ही, एक जाने-माने साहित्यकार के रूप में भी वे विख्यात हैं– उनका इस संस्था से जुड़ जाना इस संस्था की एक बड़ी उपलब्धि है।

पहले दिन से ही इस संस्था को एक आदर्श शिक्षण संस्था का आकार देने के लिए सभी शिक्षक समर्पित भाव से जुटे हुए हैं। उनके प्रयत्न के फलस्वरुप सभी शुभ संभावनाओं के अंकुर इस प्रथम सत्र से ही दिखाई देने लगे हैं।

जिस स्तर के छात्र जुलाई में प्रविष्ट हुए थे, उनसे बहुत आशा नहीं की जा सकती थी- किन्तु बिना भारी बस्ते का बोझ बढ़ाये बिना 'होमवर्क' की व्याधि के, बिना किसी टयूशन आदि की मार के, बिना एक भी छात्र को उपेक्षा किए, इस विद्यालय में कार्यरत शिक्षक शिक्षिकाओं ने कमजोर बालकों को भी ऐसा तैयार किया कि शिक्षक दिवस, बाल दिवस, सरदार पटेल जन्म दिवस आदि उत्सव तो विद्यालय में धूम-धाम से मने ही– मार्च मास में इस विद्यालय के बालक-बालिकाओं ने विद्यालय परिसर की सीमा लांघकर आस पास के ग्राम तिरला, बोरदा, कड़ौद-कला में सार्वजनिक रूप से अपने शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रदर्शित कर हजारों रुपये पुरस्कार में प्राप्त किए साथ ही अभिभावको का आशीर्वाद भी पाया।

चार-चार वर्ष की अल्प आयु के बालक-बालिकाओं द्वारा हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत में किये गए काव्यपाठ, सूक्तियों के पाठ, गीता के श्लोकों के पाठ, धार्मिक स्तवनों के पाठ- सभी कुछ ऐसा था जो दर्शकों को घंटों तक बांधे रहा।

विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के लिए भी, धार जिला स्काउट के सचिव श्री मदनलालजी वर्मा ने बिना किसी प्रकार का मानदेय लिए पूरे सत्र भर इस विद्यालय को अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया– गणतन्त्र दिवस समारोह १९९३ के किला मैदान धार पर आयोजित समारोह में अन्य शिक्षण संस्थाओं के साथ इस विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने वान्डस ड्रिल का ऐसा सुन्दर प्रदर्शन किया जिसे कर दिखाना इतनी छोटी उम्र के बालकों के लिए अत्यंत कठिन था।

इस विद्यालय में अध्ययरत बालिकाओं को पढ़ाई के साथ-साथ सिलाई, कढ़ाई, बुनाई आदि का प्रशिक्षण देना भी प्रारम्भ किया जा चुका है ताकी छात्राएँ सभी प्रकार की दक्षता प्राप्त कर पकें।

साधनों के सीमित होते हुए भी विद्यार्थियों की खुशी को बनाए रखने के सभी साधन तत्परता से जुटाये जा रहे हैं। फिसल पटटी, झुले आदि सभी का प्रावधान विद्यालय परिसर में ही किया गया है जिसके लिए समाज के अनेक महानुभावों ने प्रति दातार १००१/– रू. विद्यालय विकास निधि में दान देकर मां सरस्वती के प्रति अपनी भक्ति प्रकट की है। पाटीदार समाज के छात्रों के लिए विद्यालय से हो संलग्न सर्व सुविधा युक्त छात्रावास की भी व्यवस्था है। जहाँ भोजन निवास, खेलकूद, मनोरंजन सभी का वहुत ही सुन्दर प्रबन्ध किया गया है। और देख-रेख के लिए ऐसे अधीक्षक की नियुक्ति की गई है जिसके साथ विद्यार्थी अपने परिवारजन की ही भांती अत्यंत निकटता से जुड़े हुए रहते हैं। अतः ग्रामीण क्षेत्र के पहली कक्षा तक में पढ़ने वाले जो छात्र छात्रावास में रहते हैं, वे घर से भी अधिक प्रसन्न रहते हैं। सुबह शाम दूध, नाश्ता, भोजन, त्यौहारों आदि पर फीस्ट आदि की व्यवस्था के कारण छात्र घर से बाहर होने जैसा अनुभव नहीं करते।

नीतिकारों ने कहा है– "माता शत्रु पिता बैरी येन बालो न पाठित"

वे माता पिता अपनी संतान से दुश्मनी करते हैं जो उन्हें पढ़ाते नहीं अतः पाटीदार समाज के ही नहीं— अन्य समाज के भी अभिभावकों से यह अनुरोध है कि वे अपने पुत्र-पुत्रियों को इस संस्था से जुड़ने का अवसर देकर उनके सर्वांगीण विकास में सहायक हों।

मांगीलाल पाटीदार
सचिव

भागीरथ बोरदिया
अध्यक्ष

गति देने की आवश्यकता

प्रिय भाईयों,

९ वर्ष पहले हमने जो यात्रा शुरु कि थी उससे बड़ी-बड़ी आशाए बंधी उसी अनुरूप कार्य प्रगति भी हुई जो समक्ष मे है। तब से सहयोग की आवश्यकता और बढ गई तथा सहयोग की सम्भावनाओं में वृद्धि हुई आशा है कि हम प्रगति के अवसर को हाथ से नहीं जाने देगे, सहयोग को और गतिशील बनाएगे। हम जानते है कि हमारी समस्याए बहुत है। परन्तु हमारे पास साधन,दृढ इच्छाशक्ति व दूर दृष्टिता भी बहुत हैं। हमारी हजारो वर्ष की सांस्कृतिक धरोहर है। हमें एक बनाये रखती हैं विचारों और विश्वासो की भिन्नता भी इसके रास्ते में न हीं आयी और न हीं भविष्य में आने देगे। समाज ने शताब्दियो से अपनी गरिमा बनाये रखी हैं। वर्तमान में कितनी ही कठिनाईयाँ क्यो न हो पर भविष्य हमें आशा का संदेश दे रहा है।

आईये हम एक नई आशा परस्पर भरोसे, विश्वास तथा संगठन की शक्ति के भरोसे पर आगे बढे। इसी पर स्वयं समाज, क्षेत्र व राष्ट्र का भविष्य निर्भर है। इस प्रकार हम एक जुट होकर सुशिक्षा प्राप्त कर अंधकार से लड़े, मेहनत करके गरीबी से लडे। एक होकर भिन्नता से लडे। हम आपस में लड़ते रहे, आपसी टकराव बना रहा तो अशिक्षा, गरीबी, दरिद्रता, समस्याओं से कैसे लड़ पायेगे। समस्याओं के समाधान के लिये हम आपसी सहयोग की अनिवार्यता मानकर दूरदर्शिता और बुद्धि-मानी का परिचय दे। स्वयं का समाज में, समाज का राष्ट्र में उच्च स्थान, सम्मान दिलाये। हमें क्योंकि, समाज क्षेत्र व राष्ट्र के प्रति चिन्ता है तो यह जिम्मेदारी भी हमारी ही है। औपचारीकताओं में समाज क्षेत्र के लोगों में नया भरोसा, नई आशा नया विश्वास नहीं आ सकता इसके लिये इस महान प्रयास में हम आपस में सहयोग

मण्डप क्रमांक	वर	वधु
१	चि. कृष्णकान्त आत्मज- श्रीजगन्नाथ गणपतजी पाटीदार तिरला	सौ. कां. अंगुरबाला आत्मजा- श्रीमुन्नालाल मंगलजी पाटीदार तोरनोद द्वारा- श्रीभोलाराम मुकाती, तिरला
२	चि. श्रीकिशन आत्मज- श्रीभेरुलाल बालारामजी मुकाती सुल्तानपूर	सौ. कां. संगीता आत्मजा-श्री रमेशचन्द्र गेंदालालजी पाटीदार सगवाल
३	चि. राजाराम आत्मज- श्रीभेरुलाल बालारामजी मुकाती सुल्तानपूर	सौ. कां. रीता आत्मजा- श्रीलालचन्द्र गेन्दालाल पाटीदार तिरला

मण्डप क्रमांक	—• वर •—	—• वधु •—
७	चि. मुकेश आत्मज- श्रीकालूराम कानाजी पाटीदार आहू	सौ. कां. अनिता आत्मजा- श्रीकाशीराम भागीरथजी पाटीदार बोदवाडा
८	चि. घासीराम आत्मज- श्रीजयराम कानाजी पाटीदार रामपुर द्वारा- मामा श्री कालूराम कानाजी, आहू	सौ. कां. कमला आत्मजा-श्रीमांगीलाल मनीरामजी पाटीदार चिखल्या
९	चि. संतोष आत्मज- श्री रामू राधाकिशन पाटीदार तिरला	सौ. कां. संतोष आत्मजा- श्रीजयराम कानाजी पाटीदार रामपुर द्वारा- मामा श्री कालूराम कानाजी, आहू

मण्डप क्रमांक	-० वर ०-	-० वधु ०-
१०	चि. पवनकुमार आत्मज- श्रीपन्नालाल भागीरथजी पाटीदार तिरला	सौ. कां. देवकन्या आत्मजा- श्रीनरसिंगजी पाटीदार ऐमन्द
११	चि. मुकेश आत्मज- श्रीलक्ष्मीनारायण पाटीदार बिलोदा	सौ. कां. ज्योति आत्मजा- श्रीपन्नालाल भागीरथजी पाटीदार तिरला
१२	चि. कृष्णा आत्मज- श्रीगनपत पूनाजी पाटीदार चिखल्या	सौ. कां. निर्मला आत्मजा- श्रीभेरुलाल बोंदरजी पाटीदार द्वारा- मामा श्री कालूराम कानाजी, आहू

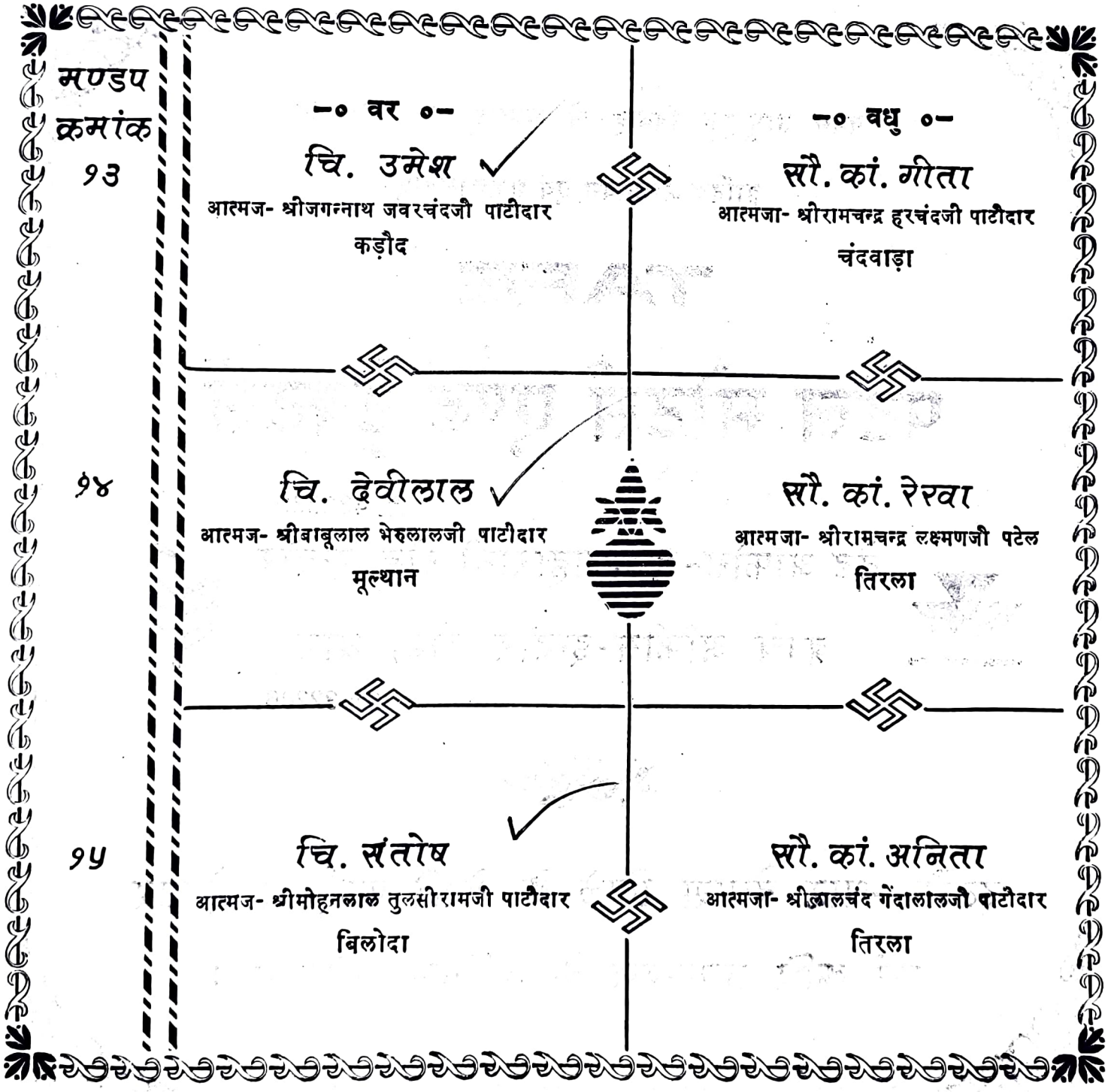

मण्डप क्रमांक	-० वर ०-	-० वधु ०-
१३	चि. उमेश आत्मज- श्रीजगन्नाथ जवरचंदजी पाटीदार कड़ौद	सौ. कां. गीता आत्मजा- श्रीरामचन्द्र हरचंदजी पाटीदार चंदवाड़ा
१४	चि. देवीलाल आत्मज- श्रीबाबूलाल भेरुलालजी पाटीदार मूल्थान	सौ. कां. रेखा आत्मजा- श्रीरामचन्द्र लक्ष्मणजी पटेल तिरला
१५	चि. संतोष आत्मज- श्रीमोहनलाल तुलसीरामजी पाटीदार बिलोदा	सौ. कां. अनिता आत्मजा- श्रीलालचंद गेंदालालजी पाटीदार तिरला

मण्डप क्रमांक १६

-० वर ०-

चि. गजेन्द्र ✓

आत्मज- श्रीजगन्नाथ मनीरामजी पाटीदार

तिरला

-० वधु ०-

सौ. कां. जसोदा

आत्मजा- श्रीरामचन्द्रजी पाटीदार

खिलेड़ी

१७

चि. लालचंद ✓

आत्मज- श्रीनन्दराम मूलचंदजी पाटीदार

केशरपूरा

सौ. कां. जयबाला

आत्मजा- श्रीअम्बाराम दयारामजी पाटीदार

तिरला

१८

चि. कृष्णा ✓✓

आत्मज- श्रीरणछोड़ कानाजी पाटीदार

कालूखेडी

सौ. कां. जयबाला

आत्मजा- श्रीभागीरथ पूनाजी पाटीदार

चिखल्या

मण्डप क्रमांक	-० वर ०-	-० वधु ०-
१९	चि. बाबूलाल ✓ आत्मज- श्रीपूनाजी पाटीदार खेडा	सौ. कां. कुसुम आत्मजा- श्रीशंकरलाल पूनाजी पाटीदार लबरावदा द्वारा- मामाकृष्णा रणछोड़जी, कालूखेड़ी
२०	चि. रमेशचन्द्र ✓ आत्मज- श्रीहरिकिशन भागीरथजी मुकाती तोरनोद	सौ. कां. शकुन्तला आत्मजा- श्रीहरिराम गणपतजी पाटीदार आहू
२१	चि. भगवतीलाल ✓ आत्मज- श्रीकन्हैयालाल लूणाजी पाटीदार आहू	सौ. कां. देवकन्या आत्मजा- श्रीश्रीराम भुवानजी पाटीदार तोरनोद

मण्डप क्रमांक	-० वर ०-	-० वधु ०-
२२	चि. सुरेशचन्द्र आत्मज- श्रीरामचन्द्र शंकरजी मुकाती एकलदूना (डग.)	सौ. कां. सुगना आत्मजा- श्रीबाबूलालजी पटवारी बिलोदा
२३	चि. नारायण आत्मज- श्रीचम्पालाल जगन्नाथजी पाटीदार सुल्तानपूर	सौ. कां. द्रोपदी आत्मजा- श्रीजगन्नाथ गणपतजी पाटीदार उटावदा
२४	चि. विष्णु आत्मज- श्रीचम्पालाल जगन्नाथजी पाटीदार सुल्तानपूर	सौ. कां. कला आत्मजा- श्रीरामेश्वर नाथाजी पाटीदार कड़ोद

मण्डप क्रमांक	-o वर o-	-o वधु o-
२५	चि. दिनेशचन्द्र आत्मज- श्रीमोतीलाल नन्दाजी पाटीदार टकरावदा	सौ. कां. पुष्पा आत्मजा- श्रीरामेश्वर नाथाजी पाटीदार कड़ौद
२६	चि. दिनेशचन्द्र आत्मज- श्रीभेरुलाल रणछोड़जी पाटीदार ऐमद	सौ. कां. निर्मला आत्मजा-श्रीजयराम अम्बारामजी पाटीदार फूलेडी
२७	चि. प्रकाश आत्मज- श्रीजगन्नाथ अम्बारामजी पाटीदार कडोद	सौ. कां. संगीता आत्मजा- श्रीलक्ष्मीनारायण नन्दरामजी पाटीदार बिलोदा

मण्डप क्रमांक	-० वर ०-	-० वधु ०-
२८	चि. नारायण आत्मज- श्रीतुलसीराम भेराजी पाटीदार चिखल्या	सौ. कां. यशोदा आत्मजा- श्रीरामचन्द्र गनपतजी पाटीदार उटावदा
२९	चि. देवीलाल आत्मज- श्रीरामचन्द्र गनपतजी पाटीदार उटावदा	सौ. कां. उर्मिला आत्मजा- श्रीगनपतजी रणछोड पाटीदार पिठडी
३०	चि. कालूराम आत्मज- श्रीगिरधारी डॅगाजी पाटीदार बोलासा	सौ. कां. रेखा आत्मजा- श्रीगनपत रणछोड़जी पाटीदार पीठडी

मण्डप क्रमांक	-० वर ०-	-० वधु ०-
३१	चि. ठाकुरलाल आत्मज- श्रीवरदीचन्द कन्हैयालालजी पाटीदार खेडा	सौ. कां. पूनी आत्मजा- श्रीमयाराम नन्दाजी पाटीदार तोरनोद
३२	चि. कैलाश आत्मज- श्रीगंगाराम फकीरचन्द पाटीदार रामपुर	सौ. कां. संतोष आत्मजा- श्रीवरदीचन्द कन्हैयालालजी पाटीदार खेडा
३३	चि. जगदीश आत्मज- श्रीपूना नन्दरामजी पाटीदार आहू	सौ. कां. निर्मला आत्मजा- श्रीरतनलाल रामाजी पाटीदार तोरनोद

मण्डप क्रमांक	वर	वधु
३४	चि. देवानन्द आत्मज- श्रीरमेशचन्द्र गेन्दालालजी पाटीदार सगवाल	सौ. कां. ललिता आत्मजा- श्रीजयरामजी मुकाती कोसावदा
३५	चि. सुन्दरलाल आत्मज- श्रीमांगीलाल गनपतजी मुकाती बोलासा	सौ. कां. भागवन्ती आत्मजा- श्रीजयराम शंकरजी नवाद तोरनोद
३६	चि. कैलाश आत्मज- श्रीजगन्नाथ भागीरथजी पाटीदार कडोद	सौ. कां. लीला आत्मजा- श्रीजयराम शंकरजी नवाद तोरनोद

मण्डप क्रमांक	-० वर ०-	-० वधु ०-
३७	चि. प्रकाश ✓ आत्मज- श्रीगंगाराम मूलचंदजी पाटीदार आहू द्वारा- काशीराम नारायण पाटीदार, चिखल्या	सौ. कां. पार्वती आत्मजा- श्रीमोतीराम मनीरामजी मुकाती तिरला
३८	चि. विक्रम ✓ आत्मज- श्रीभोलाराम रणछोड़जी मुकाती तिरला	सौ. कां. रेखा आत्मजा- श्रीचम्पालाल भगवानजी पाटीदार आहू
३९	चि. दिनेशचन्द्र ✓ आत्मज- श्रीबाबूलाल भगवानजी पाटीदार आहू	सौ. कां. ललिता आत्मजा- श्रीमोहनलाल पाटीदार कारोदा

मण्डप क्रमांक	-० वर ०-	-० वधु ०-
४०	चि. देवेन्द्र ✓ आत्मज- श्रीमांगीलाल नारायणजी पाटीदार कड़ोद	सौ. कां. पद्मा आत्मजा- श्रीजयराम भागीरथजी पाटीदार शेरगढ़
४१	चि. मुन्नालाल ✓ आत्मज- श्रीहरचंद मन्नाजी पाटीदार सुलतानपुर	सौ. कां. प्रेम आत्मजा- श्रीमोहनलाल जगन्नथजी पाटीदार चोटियाखेडी
४२	चि. मदनलाल ✓ आत्मज- श्रीकृपाराम नरसिंगजी पाटीदार कड़ोद	सौ. कां. शारदा आत्मजा- श्रीतोलाराम जगन्नाथजी पाटीदार चोटियाखेड़ी

मण्डप क्रमांक	वर	वधु
४३	चि. मोहनलाल आत्मज- श्रीरामेश्वर तुलसीरामजी पाटीदार तिरला	सौ. कां. ललिता आत्मजा- श्रीमोतीराम पूनाजी पाटीदार बड़वेली
४४	चि. भवानीशंकर आत्मज- श्रीलूणा भेराजी पाटीदार आहू	सौ. कां. मणी आत्मजा- श्रीकालूराम पूनाजीपाटीदार बड़वेली
४५	चि. परमानन्द आत्मज- श्रीओंकार बोंदरजी पाटीदार लबरावदा	सौ. कां. संतोष आत्मजा- श्रीमोहनलाल पुनाजी पाटीदार बड़वेली

मण्डप क्रमांक	-० वर ०-	-० वधु ०-
४६ १.	चि. मनोहर आत्मज- श्रीओंकार बोंदरजी पाटीदार लबरावदा	सौ. कां. अन्नपूर्णा आत्मजा- श्रीरामाजी अम्बारामजी पाटीदार फुलगावड़ी
४७	चि. दुर्गालाल आत्मज- श्रीहीरालाल जगन्नाथजी पाटीदार तिरला	सौ. कां. रेखा आत्मजा- श्रीमुन्नालाल शंकरलालजी पाटीदार आहू
४८	चि. सुरेशचन्द्र आत्मज- श्रीजयराम नरावजी पाटीदार रामपुर	सौ. कां. उमा आत्मजा- श्रीकालू पून्जाजी पाटीदार बोलासा

मण्डप क्रमांक	-० वर ०-	-० वधु ०-
४९	चि. रमेशचन्द्र आत्मज- श्रीनरसिंग नन्दरामजी पाटीदार तिरला	सौ. कां. गीता आत्मजा- श्रीशंकर गोपालजी पाटीदार खेड़ा
५०	चि. कैलाशचन्द्र आत्मज- श्रीकालूराम बद्रजी पाटीदार खेड़ा	सौ. कां. प्रेमलता आत्मजा- श्रीगोपाल रामाजी पाटीदार सुलतानपुर
५१	चि. जीवनलाल आत्मज- श्रीपूरनचन्द कानाजी पाटीदार हातोद	सौ. कां. धापू आत्मजा- श्रीकूपारामजी पाटीदार लबरावदा

मण्डप क्रमांक	-० वर ०-	-० वधु ०-
५२	**चि. भेरुलाल** आत्मज- श्रीरामचन्द्र पाटीदार केशरपुरा	**सौ. कां. संगीता** आत्मजा- श्रीरामचन्द्र रणछोड़जी पाटीदार छाडोदा
५३	**चि. कृष्णकांत** आत्मज- श्रीजवरचन्द रणछोड़जी पाटीदार चंदवाडा	**सौ. कां. किरण** आत्मजा- श्रीबाबूलाल नंदरामजी पाटीदार शेरगढ़
५४	**चि. लालचंद** आत्मज- श्रीगुलाबचन्द पाटीदार अगराल	**सौ. कां. ममता** आत्मजा- श्रीगोविन्द अम्बारामजी पाटीदार अनंतखेडी